



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रकाशित से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 491]

No. 491]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 31, 1990/भाद्र 9, 1912
NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 31, 1990/BHADRA 9, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी काती हुई जिसके कि यह अलग संकलन के लिए प्रयोग करना चाहे सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वस्त्र मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1990

का. आ. 672(अ).—केन्द्रीय सरकार की स्थायी सलाहकार समिति द्वारा अपने को की गई इस आशय की सिफारिशों पर कि मौजूदा आदेशों में किसी भी प्रकार का पविरत्तन न किया जाए पर विचार करते के पश्चात् इस तथ्य से संतुष्ट है कि कच्चे जूट और जूट पैकेज सामग्री के उत्पादन तथा उसके उत्पादन में क्यों हुए व्यक्तियों के हित में ऐसा करना आवश्यक है :

अतः केन्द्रीय सरकार, जूट पैकेज सामग्री (वस्तु पैकिंग अनिवार्य प्रयोग) अधिनियम 1987 (1987 का 10) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) तारीख 30 जून, 1988 में प्रकाशित भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 630(अ) तारीख 30 जून 1988 के आदेशों को अधिकृत करते हुए, सिवाए उन बातों

को छोड़ कर जो ऐसे अधिकृत किए जाने के पूर्वी की गई या की जाने से रह गई हैं, केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि 1 मितम्बर, 1990 से नीचे की अनुसूची के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट वस्तुएं ऐसी न्यूनतम प्रतिशतता में, जो उन अनुभूची के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविलियों में विनिर्दिष्ट हैं, पूर्ति या वितरण के लिए जूट पैकेज सामग्री में पैक की जाएंगी।

अनुसूची

जूट पैकेज सामग्री में पैक किए जाने के लिए अपेक्षित वस्तु या वस्तुओं के वर्ग के सं.

| क्रम | वस्तुएं | 3 |
|------|---------------|---------------|
| 1 | 2 | |
| 1. | खाद्यान्न | शतप्रतिशत |
| 2. | चीनी | शतप्रतिशत |
| 3. | सीमेंट केवल | सत्तर प्रतिशत |
| 4. | उबरक (मूरिया) | शतप्रतिशत |

[का. सं. 9/9/89-जूट]

MINISTRY OF TEXTILE
ORDER

New Delhi, the 31st August, 1990

S.O. 672(E):—Whereas the Central Government after considering the recommendations made to it by the Standing Advisory Committee to the effect that there should be no change in the existing orders, is satisfied that it is necessary so to do in the interest of production of raw jute and jute packaging material, and of persons engaged in the production thereof;

Now, therefore, in exercise of powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Jute Packaging Materials (Compulsory Use in Packaging Commodities) Act, 1987 (10 of 1987) and in supersession of the orders of the Government of India in the Ministry of Textiles No. S.O. 630(E) dated 30th June, 1988, published in the Gazette of India, Extraordinary Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 30th June, 1988, except as respects things done or omitted to be done before such supersession the Central Government hereby directs that, with effect from the 1st September, 1990, the commodities specified in column (2) of the Schedule below, shall be packed in jute packaging material, for supply or distribution, in such minimum percentage as specified in corresponding entries in column (3) of the said Schedule.

SCHEDULE

| Sl. No. | Commodities | Percentage of total production of commodity or class of commodities required to be packed in jute packaging material |
|---------|------------------------|--|
| (1) | (2) | (3) |
| 1. | Foodgrains | Hundred per cent |
| 2. | Sugar | Hundred per cent |
| 3. | Cement | Seventy per cent |
| 4. | Fertilizer (Urea only) | Hundred per cent |

[F.No. 9/9/89—Jute]

आदेश

का. आ. 673(अ).—केन्द्रीय सरकार की राय है कि शोकहित में कृतिपय सीमेंट संयंत्रों को धारा 3 के अधीन किए गए आदेश के व्रतर्तन से छूट देना समीचीन है, अतः अब केन्द्रीय सरकार, जूट पैकेज सामग्री (वस्तु पैकिंग अनिवार्य प्रयोग) अधिनियम, 1987 (1987 का 10) की धारा 16 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियंत्रण देती है कि असितम्बर, 1990 को और उससे :

1. ऐसे लघु या नह्ने सीमेंट संयंत्रों को, जिनकी प्रतिष्ठापित क्षमता 100 मीटरिक टन प्रतिदिन तक की है, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन किए गए आदेश के व्रतर्तन में छूट दी जाएगी;

परन्तु यह कि यदि कोई लघु या नह्ने सीमेंट संयंत्र 100 मीटरिक टन प्रतिदिन से अधिक उच्चतर प्रतिष्ठापित क्षमता प्राप्त कर लेती है तो उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी किया गया कोई आदेश उस तारीख को और उससे उसको लागू होगा, जिसको वह ऐसा उच्चतर उत्पादन आरम्भ करता है।

2. कलकत्ता से 1200 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर स्थित सीमेंट संयंत्र, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन किए गए आदेश में यथापरिकल्पित 70% के बदले अपने सीमेंट उत्पादन का 65% जूट पैकेज करते की सामग्री में पैक करेंगे।

[फा. सं. 9/9/89—जूट]

एल. वी. सप्तश्रृणि, संयुक्त सचिव

ORDER

S.O. 673(E):—Whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient to exempt certain cement plants from the operation of order made under section 3 in the public interest:

Now, therefore, in exercise of powers conferred by sub-section (1) of section 16 of the Jute Packaging Materials (Compulsory Use in Packaging Commodities) Act, 1987 (10 of 1987), the Central Government hereby directs that on and from the 1st September, 1990:—

1. The tiny or mini cement plants having installed capacity upto 100 Metric Tonnes per day shall be exempted from the operation of the order made under sub-section 1 of section 3 of the said Act:

Provided that if a tiny or mini cement plant goes in for higher installed capacity beyond 100 Metric Tonnes per day, any order issued under sub-section (1) of section 3 of the said Act shall apply to it on and from the date of its going in for such higher production.

2. The cement plants located beyond 1200 kilometres from Calcutta shall pack 65% of their production of cement in jute packaging material instead of 70% as envisaged in the order made under sub-section (1) of section 3 of the said Act.

[F. No. 9/9/89-Jute]

L.V. SAPTHARISHI, Jt. Secy.